चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	28-11.25	2	7-8

The Tribune
ESTABLISHED IN 1881

WORKSHOP ON MORINGA RESEARCH

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) inaugurated an international workshop-cum-training under SPARK on "Understanding Environmental Effects on Moringa Growth, Seed Quality, Antioxidant and Tannin Properties." Vice-Chancellor Prof Baldev Raj Kamboj said environmental factors such as temperature, humidity, rainfall and soil type directly influence Moringa's growth and properties.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28.11.25	4	1

एचएयू ने लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के लिए आवेदन मांगे

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने वर्ष 2021-22 और 2023-24 के लिए द्विवार्षिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है।

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. रमेश यादव ने बताया कि यह अवॉर्ड एचएयू के उन संस्थान प्रमुखों, संकायाध्यक्षों और अधिकारियों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में उत्कृष्ट सेवाएं, आदर्श नैतिक मूल्यों और नेतृत्व क्षमता के आधार पर विश्वविद्यालय और अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रभाव छोड़ा है।

उन्होंने बताया कि नामांकन के लिए पात्र अधिकारी वही होंगे, जिन्होंने अपने चुने हुए क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हों, संस्थान निर्माण में योगदान दिया हो और विश्वविद्यालय में अपनी आदर्श छवि स्थापित की हो। इच्छुक अधिकारी अपना आवेदन पत्र एवं संक्षिप्त बायोडाटा अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर, एचएयू को भेज सकते हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28-1-25	5	2-4

एचएयू में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन में 222 शोधपत्र पेश, 300 प्रतिनिधि पहुंचे

18 राज्यों से प्रतिभागी, कृषि वैज्ञानिकों ने भविष्य की नीतियों पर किया मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में जारी 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन वीरवार को वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और कृषि अर्थशास्त्रियों ने विभिन्न विषयों पर 222 शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन में देश के 18 राज्यों से करीब 300 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

इनमें पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, अरुणाचल प्रदेश, केरल, तेलंगाना और हरियाणा के प्रतिभागी शामिल हैं। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने चार तकनीकी सत्रों में हुए शोध-प्रस्तुतिकरण की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के तहत कृषि के आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों के विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

एचएयू के एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन में मौजूद छात्र व अधिकारी। संवाद

उन्होंने कहा कि समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, कमजोर वर्गों के लिए नीतियां, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, छोटे-सीमांत किसानों के लिए क्रेडिट, बीमा व मार्केटिंग योजनाओं पर विशेषज्ञों ने गहन मंथन किया। कुलपति ने बताया कि डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता के पारस्परिक संबंध विषय पर भी व्यापक समीक्षा की गई। कृषि अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं ने एकमत होकर कहा कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था और पर्यावरणीय लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाना आज की सबसे अहम जरूरत है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28-11-25	4	1-6

कृषि अर्थशास्त्रियों ने भविष्य की योजनाओं पर किया मंथन

हकृवि में 85वें इंडियन सोसाइटी आफ एग्रीकल्चर इकोनामिक्स सम्मेलन में 222 पेपर प्रस्तुत, 18 राज्यों के प्रतिभागी ले रहे भाग

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 85वें इंडियन सोसाइटी आफ एग्रीकल्चर इकोनामिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन विज्ञानियों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं कृषि अर्थशास्त्रियों की तरफ से विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में देश के 18 राज्यों से लगभग 300 विज्ञानी, नीति निर्माता, शोधकर्ता एवं कृषि अर्थशास्त्री भाग ले रहे हैं। इन राज्यों में पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, आसाम, अरूणाचल प्रदेश, केरल, तेलांगाना व हरियाणा शामिल है।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज • जागरण

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सम्मेलन में चार तकनीकी सत्रों के दौरान प्रस्तुत किए गए पेपर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के अन्तर्गत कृषि का आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समावेशी विकास को लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, कमजोर वर्गों के लिए नीतियां, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए क्रेडिट, बीमा और मार्केटिंग जैसी योजनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा मंथन किया गया। साझा संसाधनों की पुनर्कल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग को लेकर विज्ञानियों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव व जलवायु परिवर्तन जैसे विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था और पर्यावरणीय लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाना अति आवश्यक है। पीएचडी स्कालर सेशन के दौरान शोध कार्यों व शोध प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डा. डीपी मलिक ने बताया कि सम्मेलन का प्रथम तकनीकी सत्र जो ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास विषय पर आयोजित किया गया जिसमें 144 पेपर प्रस्तुत किए गए। द्वितीय तकनीकी सत्र साझा संसाधनों की पुनर्कल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग पर आधारित था, जिसमें 22 पेपर प्रस्तुत किए गए।

उन्होंने बताया कि तृतीय तकनीकी सत्र डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता अंतर संबंधों के मार्ग का निर्धारण पर था। इस तकनीकी सत्र में 26 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में चौथा सत्र पीएचडी स्कालर पर आधारित रहा। इस सेशन के दौरान 30 पेपर प्रस्तुत किए गए।

कृषि प्रोडक्ट विश्व के मानकों के अनुरूप नहीं छोटे किसानों को सिखाना होगा : डा. दिवाकर

जागरण संवाददाता • हिसार : देश के कृषि प्रोडक्ट को बेहतर बनाने की जरूरत है। आज जो भी कृषि प्रोडक्ट आ रहे हैं उसमें कोई न कोई कमी है। कारण है किसान विश्व के मानकों को लेकर जागरूक नहीं है। फसल बुआई के समय यूरिया का ज्यादा होना। पेस्टिसाइड का ज्यादा प्रयोग करना आदि कई कारण जांच में सामने आते हैं। इसलिए ट्रेड कंपीटिशन के लिए देश में छोटे किसानों की मदद करने के साथ कृषि व्यवस्था को बेहतर करने के लिए उनके हिसाब से पालिसी और आम करने की जरूरत है। इससे विदेशों में भारतीय कृषि के उत्पादकों की मांग बढ़ेगी। इसी चीजों को समझने और किस तरह देश के कृषि उत्पादों को विश्व स्तर पर ले जाया सकता है। हकृवि में आयोजित एग्रीकल्चर इकोनोमिक्स राष्ट्रीय सम्मेलन में यह बात बिहार के डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट और इंडियन सोसाइटी आफ एग्रीकल्चर इकोनामिक्स के आजीवन सदस्य डा. डीएम दिवाकर ने विशेष बातचीत में कही।

डा. डीएम दिवाकर।

उन्होंने कहा कि भारत में कृषि क्षेत्र में काफी काम हो रहा हैं। मगर अभी किसान यह समझ नहीं पा रहे उनके प्रोडक्ट की मांग कहां तक जा सकती है। इसलिए भारत सरकार व कृषि विज्ञानियों की तरफ से अब इन मानकों को सही करने पर काम किया जा रहा है। इसमें फसल उगाने से लेकर उसे विश्व पटल तक ले जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) की स्थापना 1995 में हुई थी। भारत उस समय से उसका सदस्य है। भारत अपने अधिकारी की रक्षा के लिए हर समय किसानों के हक में आवाज उठाता है। बस अब जरूरत है कि छोटे किसानों को भी जागरूक किया जाए।

सिफारिश जाएगी सरकार को

डा. दिवाकर ने बताया कि सम्मेलन की सभी सिफारिश भारत सरकार को भी जाएगी। इसका मकसद डब्ल्यूटीओ में भारतीय कृषि उत्पाद को किस तरह बेहतर तरीके से भेजा जा सकता है वह मकसद है। इसमें यह भी सिफारिश होगी छोटे किसान यदि डेयरी प्रोडक्ट बेच रहा है तो उसको कोल्ड लिंकिंग के जरिए किस तरह इंफ्रास्ट्रचर दिया जा सकता है और वह काम कैसे कर सकते हैं, इस बारे में सरकार को सिफारिश भेजेंगे।

ग्रीन बाक्स में रखते हैं काम की चीज

हर देश सेफ गार्ड नियम के तहत भी काम करता है। तीन सेफ गार्ड के तहत हर देश अपनी सबसे जरूरी चीज ग्रीन बाक्स में रखता है। इसमें फूड सिक्योरिटी से लेकर अन्य चीजें शामिल है। इसके अलावा भारत की तरफ सामाजिक-आर्थिक, सोशल और पर्यावरण को लेकर भी काम किए जा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28-11-25	4	5-6

हकृवि में 85 वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन 222 पेपर प्रस्तुत

कृषि अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं ने भविष्य की योजनाओं के लिए किया मंथन

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

हिसार, 27 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 85 वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं कृषि अर्थशास्त्रियों द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में देश के विभिन्न 18 राज्यों से लगभग 300 वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शोधकर्ता एवं कृषि अर्थशास्त्री भाग ले रहे हैं। इन राज्यों में पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, आसाम, अरूणाचल प्रदेश, केरल, तेलांगाना व हरियाणा शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सम्मेलन में विभिन्न चार तकनीकी सत्रों के दौरान प्रस्तुत किए गए पेपर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के अन्तर्गत कृषि का आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समावेशी विकास को लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, कमजोर वर्गों के लिए नीतियां, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए क्रेडिट, बीमा और मार्केटिंग जैसी योजनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा मंथन किया गया। पी.एच.डी. स्कॉलर सेशन के दौरान शोध कार्यों व शोध प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कृषि महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. डी.पी. मलिक ने बताया कि सम्मेलन का प्रथम तकनीकी सत्र जो ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें 144 पेपर प्रस्तुत किए गए। द्वितीय तकनीकी सत्र साझा संसाधनों की पुनर्कल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग पर आधारित था, जिसमें 22 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि तृतीय तकनीकी सत्र डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता अंतर संबंधों के मार्ग का निर्धारण पर था। इस तकनीकी सत्र में 26 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में चौथा सत्र पी.एच.डी. स्कॉलर पर आधारित रहा। इस सेशन के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित 30 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका कुलपति ने अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28-11-25	4	3

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए मांगे आवेदन

हिसार, 27 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021-22 व 2023-24 हेतु द्विवार्षिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

आवेदन पत्र जमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. रमेश यादव ने बताया कि लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के उन संस्थान प्रमुखों, संकायाध्यक्षों एवं अधिकारियों को उनके आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	28-11-25	5	6

हकृवि ने लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए मांगे आवेदन

हिसार, 27 नवंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021-22 व 2023-24 हेतु द्विवार्षिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र जमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. रमेश यादव ने बताया कि लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के उन संस्थान प्रमुखों, संकायाध्यक्षों एवं अधिकारियों को उनके आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है।

उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारी ने अपने कार्यकाल में नैतिक मूल्यों और नैतिकता के उच्च मानकों का पालन किया हो तथा अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले उत्कृष्ट कार्यों का योगदान दिया हो। संबंधित अधिकारी ने समर्पण, नेतृत्व गुणों, संस्थान निर्माण क्षमताओं और एक आदर्श छवि का रिकॉर्ड बनाया हो। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारी अपने आवेदन पत्र अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को संक्षिप्त बायोडाटा के साथ भेज सकते हैं। नामांकन उम्मीदवारी केवल एक द्विवार्षिक अवधि के लिए मान्य होगी। उपरोक्त आवेदन पत्र के संदर्भ में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28-11-25	4	7-8

हकृवि में 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन

विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं कृषि अर्थशास्त्रियों द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए गए। इस सम्मेलन में देश के 18 राज्यों से लगभग 300 वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शोधकर्ता एवं कृषि अर्थशास्त्री भाग ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सम्मेलन में विभिन्न चार तकनीकी सत्रों के दौरान प्रस्तुत किए गए पेपर के बारे में बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के अन्तर्गत कृषि का आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28-11-25	5	1

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए मांगे आवेदन

हिसार • विज्ञप्ति : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021-22 व 2023-24 हेतु द्विवार्षिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र जमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.11.25	5	3-5

हकृवि में 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन 222 पेपर प्रस्तुत

हिसार, 27 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं कृषि अर्थशास्त्रियों द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में देश के विभिन्न 18 राज्यों से लगभग 300 वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शोधकर्ता एवं कृषि अर्थशास्त्री भाग ले रहे हैं। इन राज्यों में पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, आसाम, अरूणाचल प्रदेश, केरल, तेलांगाना व हरियाणा शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सम्मेलन में विभिन्न चार तकनीकी सत्रों के दौरान प्रस्तुत किए गए पेपर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के अन्तर्गत कृषि का आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समावेशी विकास को लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाएं,

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

कमजोर वर्गों के लिए नीतियां, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए क्रेडिट, बीमा और मार्केटिंग जैसी योजनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा मंथन किया गया। साझा संसाधनों की पुनर्कल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग को लेकर वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव व जलवायु परिवर्तन जैसे विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता अंतर संबंधों के मार्ग का निर्धारण विषय पर समीक्षा करते हुए कृषि अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं ने कहा कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था और पर्यावरणीय लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाना अति आवश्यक है। पीएचडी स्कॉलर सेशन के दौरान शोध कार्यों व शोध प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. डीपी मलिक ने बताया कि सम्मेलन का प्रथम तकनीकी सत्र जो ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास विषय पर आयोजित किया गया जिसमें 144 पेपर प्रस्तुत किए गए। द्वितीय तकनीकी सत्र साझा संसाधनों की पुर्नकल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग पर आधारित था, जिसमें 22 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि तृतीय तकनीकी सत्र डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता अंतर संबंधों के मार्ग का निर्धारण पर था। इस तकनीकी सत्र में 26 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में चौथा सत्र पीएचडी स्कॉलर पर आधारित रहा। इस सेशन के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित 30 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका कुलपति ने अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	28-11.25	9	2-5

कृषि अर्थशास्त्रियों और नीति निर्माताओं ने योजनाओं के लिए किया मंथन

- हकृवि में 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन 222 पेपर प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं कृषि अर्थशास्त्रियों द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में देश के विभिन्न 18 राज्यों से लगभग 300 वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शोधकर्ता एवं कृषि अर्थशास्त्री भाग ले रहे हैं। इन राज्यों में पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, आसाम, अरूणाचल प्रदेश, केरल, तेलांगाना व हरियाणा शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सम्मेलन में विभिन्न चार तकनीकी सत्रों के दौरान प्रस्तुत किए गए पेपर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के अन्तर्गत कृषि का आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समावेशी विकास को लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, कमजोर वर्गों के लिए नीतियां, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए क्रेडिट, बीमा और मार्केटिंग जैसी योजनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा मंथन किया गया।

144 पेपर किए प्रस्तुत

कृषि महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. डीपी मलिक ने बताया कि सम्मेलन का प्रथम तकनीकी सत्र जो ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास विषय पर आयोजित किया गया जिसमें 144 पेपर प्रस्तुत किए गए। द्वितीय तकनीकी सत्र साझा संसाधनों की पुर्नकल्पना और संस्थागत नवाचार के लिए शासन मार्ग पर आधारित था, जिसमें 22 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि तृतीय तकनीकी सत्र डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता अंतर संबंधों के मार्ग का निर्धारण पर था। इस तकनीकी सत्र में 26 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में चौथा सत्र पीएचडी स्कॉलर पर आधारित रहा। इस सेशन के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित 30 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका कुलपति ने अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	28.11.25		

एचएयू में सम्मेलन के दूसरे दिन 222 पेपर प्रस्तुत

हिसार, 27 नवंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं कृषि अर्थशास्त्रियों द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में देश के विभिन्न 18 राज्यों से लगभग 300 वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शोधकर्ता एवं कृषि अर्थशास्त्री भाग ले रहे हैं। इन राज्यों में पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, आसाम, अरूणाचल प्रदेश, केरल, तेलांगाना व हरियाणा शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सम्मेलन में विभिन्न चार तकनीकी सत्रों के दौरान प्रस्तुत किए गए पेपर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के अन्तर्गत कृषि का आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता अंतर संबंधों के मार्ग का निर्धारण विषय पर समीक्षा करते हुए कृषि अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं ने कहा कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था और पर्यावरणीय लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाना अति आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	27.11.2025	--	--

हकृवि में कृषि अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं ने भविष्य की योजनाओं के लिए किया मंथन

समस्त हरियाणा न्यूज

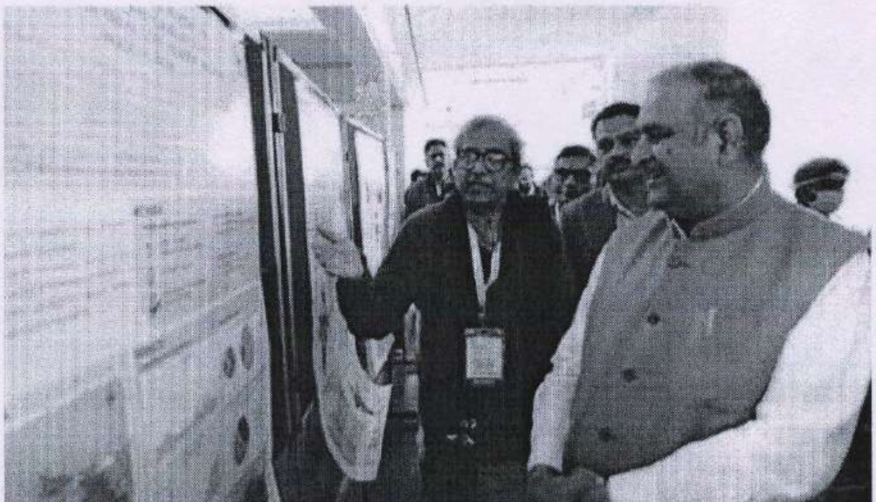

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं कृषि अर्थशास्त्रियों द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में देश के विभिन्न 18 राज्यों से लगभग 300 वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शोधकर्ता एवं कृषि अर्थशास्त्री भाग ले रहे हैं। इन राज्यों में पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, आसाम, अरूणाचल प्रदेश, केरल, तेलांगाना व हरियाणा शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सम्मेलन में विभिन्न चार तकनीकी सत्रों के दौरान प्रस्तुत किए गए पेपर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के अन्तर्गत कृषि का आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समावेशी विकास को लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, कमजोर वर्गों के लिए नीतियां, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए क्रेडिट, बीमा और मार्केटिंग जैसी योजनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा मंथन किया गया। साझा संसाधनों की पुनर्कल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग को लेकर वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव व जलवायु परिवर्तन जैसे विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता अंतर संबंधों के मार्ग का निर्धारण विषय पर समीक्षा करते हुए कृषि अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं ने कहा कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था और पर्यावरणीय लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाना अति आवश्यक है। पीएचडी स्कॉलर सेशन के दौरान शोध कार्यों व शोध प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. डीपी मलिक ने बताया कि सम्मेलन का प्रथम तकनीकी सत्र जो ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास विषय पर आयोजित किया गया जिसमें 144 पेपर प्रस्तुत किए गए। द्वितीय तकनीकी सत्र साझा संसाधनों की पुनर्कल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग पर आधारित था, जिसमें 22 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि तृतीय तकनीकी सत्र डब्ल्यूटीओ, आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता अंतर संबंधों के मार्ग का निर्धारण पर था। इस तकनीकी सत्र में 26 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में चौथा सत्र पीएचडी स्कॉलर पर आधारित रहा। इस सेशन के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित 30 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका कुलपति ने अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	27.11.2025	--	--

हकृवि में 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन 222 पेपर प्रस्तुत

सम्मेलन में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली सहित 18 राज्यों से 300 प्रतिभागी ले रहे हैं भाग

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 85वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं कृषि अर्थशास्त्रियों द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित 222 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में देश के विभिन्न 18 राज्यों से लगभग 300 वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शोधकर्ता एवं कृषि अर्थशास्त्री भाग ले रहे हैं। इन राज्यों में पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश,

आसाम, अरूणाचल प्रदेश, केरल, तेलांगाना व हरियाणा शामिल हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सम्मेलन में विभिन्न चार तकनीकी सत्रों के दौरान प्रस्तुत किए गए पेपर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास के अन्तर्गत कृषि का आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों का विस्तार, डिजिटल ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कौशल विकास और रोजगार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समावेशी विकास को लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, कमजोर वर्गों के लिए नीतियां, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए क्रेडिट, बीमा और मार्केटिंग जैसी योजनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा मंथन किया गया। साझा संसाधनों की पुनर्कल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग को लेकर वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव व जलवायु परिवर्तन जैसे विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

कृषि महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. डीपी मलिक ने बताया कि सम्मेलन का प्रथम तकनीकी सत्र जो ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास विषय पर आयोजित किया गया जिसमें 144 पेपर प्रस्तुत किए गए। द्वितीय तकनीकी सत्र साझा संसाधनों की पुनर्कल्पना और संस्थागत नवाचार हेतु शासन मार्ग पर आधारित था, जिसमें 22 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में चौथा सत्र पीएचडी स्कॉलर पर आधारित रहा। इस सेशन के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित 30 पेपर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका कुलपति ने अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	27.11.2025	--	

हकृवि ने लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए मांगे आवेदन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021-22 व 2023-24 हेतु द्विवार्षिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र जमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. रमेश यादव ने बताया कि लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के उन संस्थान प्रमुखों, संकायाध्यक्षों एवं अधिकारियों को उनके आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारी ने अपने कार्यकाल में नैतिक मूल्यों और नैतिकता के उच्च मानकों का पालन किया हो तथा अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले उत्कृष्ट कार्यों का योगदान दिया हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	27.11.2025	--	

हकृवि ने द्विवार्षिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए मांगे आवेदन

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 28 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021-22 व 2023-24 हेतु द्विवार्षिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र जमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. रमेश यादव ने बताया कि लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के उन संस्थान प्रमुखों, संकायाध्यक्षों एवं अधिकारियों को उनके आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारी ने अपने कार्यकाल में नैतिक मूल्यों और नैतिकता के उच्च मानकों का पालन किया हो तथा अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले उत्कृष्ट कार्यों का योगदान दिया हो। संबंधित अधिकारी ने समर्पण, नेतृत्व गुणों, संस्थान निर्माण क्षमताओं और एक आदर्श छवि का रिकॉर्ड बनाया हो। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारी अपने आवेदन पत्र अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को संक्षिप्त बायोडाटा के साथ भेज सकते हैं। नामांकन उम्मीदवारी केवल एक द्विवार्षिक अवधि के लिए मान्य होगी। उपरोक्त आवेदन पत्र के संदर्भ में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hau.ac.in पर उपलब्ध है।